दाना मांझी की पत्नी की शवयात्रा

हाँ बहुत ग़रीब है
दाना मांझी
इसीलिए
ढोनी पड़ रही है उसे
पत्नी की लाश
रखकर सर पर
अस्पताल से घर तक
लाश जो लिपटी है
एक चादर में
पाँव उसके भी
हैं चादर से बाहर
ग़रीब ज़िंदा हो
या हो मुर्दा
पाँव उसके सदा ही .....
और घर
अस्पताल से सिर्फ़
साठ किलोमीटर ही तो है
उसका घर
जिस रास्ते से
जा रहा है
दाना मांझी
पत्नी की लाश
और
बारह बरस की
रोती–बिलखती
बेटी के साथ
अकेला
पर
अकेला कहाँ है दाना मांझी?
रास्ते के दोनों ओर

खड़े हैं बहुत से लोग
थामे हुए हाथों में
अपने–अपने मोबाइल फोन
बना रहे हैं वीडियो
जिसे अपलोड करेंगे
सोशल मीडिया पर
दाना मांझी जब
थक जाता है
कुछ दूर चलने के बाद
तो उतारकर रख देता है शव
धरती पर
साथ चल रहे लोग भी
रुक जाते हैं
देखने के लिए ये
कि कैसे दोबारा
दाना मांझी उठाएगा
अपनी पत्नी का शव
ले जाने के लिए
साठ किलोमीटर दूर स्थित
अपने गाँव
कोई नहीं देता
दाना मांझी की
पत्नी की अरथी को
कंधा
दें भी तो कैसे?
अरथी कहाँ है?
अरथी तो बनती है
मृतक की चारपाई की
बाहियाँ निकालकर
ग़रीब के पास
कहाँ होती है चारपाई
चारपाई के बिना

कैसे बने अरथी
हम अरथियों को
बड़ी–बड़ी अरथियों को
कंधा देते हैं
हम वो हैं
जो
अपनी लाश ख़ुद
अपने कंधों पर
ढोते हैं
हम ख़ुद मुर्दा हैं
और ये निराली शवयात्रा
सिर्फ़ दाना मांझी की
पत्नी की शवयात्रा नहीं
ये शवयात्रा है
हमारी संवेदनहीनता की
ये शवयात्रा है
हमारे समाज की निरर्थकता की
ये शवयात्रा है
हमारे प्यारे राष्ट्र की
राष्ट्र जो सारे जहाँ से अच्छा है
उस अच्छाई की नपुंसकता की
और आप?
आप क्यों कसमसाने लगे
ये शवयात्रा है
आपकी
मेरी
हम सब की

सीताराम गुप्ता
ए.डी.–106–सी, पीतमपुरा,
दिल्ली–110034
फोन नं. 09555622323

Email : srgupta54@yahoo.co.in